

पार्क श्रमकाम

(निम्न 26)

सं. श्रमकाम 277/2004
 पार्क श्रमकाम सं. 277/2004
 विषय मुष वमा 28/11/10 का पेश है।
 245/श्रम / नं. 2010

तारीख दृश्य	दृश्य या कार्यवाही मय दृशिमयान वर	मामर व नार्मिष श्रमकाम श्री दृश्य दृश्य श्री नार्मिष वै जाये दृश्य
2/11/10	<p>पार्क पार्क श्रमकाम के रिपोर्ट के लिए पेश किया गया। रिपोर्ट का कोषाध्यक्ष के माध्यम से पार्क पार्क की रिपोर्ट को प्रेषित करने का उचित समय तक के लिए प्रेषित प्रभावशील करने के लिए प्रेषित दिनांक 28/11/10 को पेश है। वकील वादी के माध्यम से दस्तावेज के साथ मिथ्या प्रमाण पेश किया जा रहा है। श्रमकाम / M</p>	
28/12/10	<p>पत्रावली पेश है अभिभाषक उभय पक्ष उपस्थित है। आज श्रीमान रामचन्द्र अधिकारी राज्य कार्यवाही गार्ड टोरे में कार्यवाही है। अन्य कार्य में व्यस्त है। जो प्रमाण कन्डोलेंस पर है। अतः पत्रावली साविक कार्यवाही हेतु दिनांक 28/12/10 को पेश हो।</p>	
17/1/11	<p>पत्रावली पेश है वकील वादी उभय पक्षों के बीच प्रमाणों का उचित प्रमाण नहीं है। प्रेषित करने के लिए प्रेषित प्रमाण प्रमाण प्रमाण पेश करने पर प्रेषित करने का उचित प्रमाण प्रमाण दिनांक 17/1/11 को पेश है। M</p>	

तारीख
पुनः

पुनः या कार्यवाही इतिहासिका जज

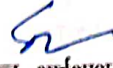
अदालत में
आदेशों की प्रतियां
की तारीख में

द्वारा विवादित राकम धारा 01 के जोटिस एवं पेनाल्टी की रसीदों से स्पष्ट है कि वादी विवादित आराजी पर अतिक्रमी की हैरियत से काबिज है, जिसे रामय-रामय पर तहसीलदार, बून्दी द्वारा बेवखल कर भूमि कब्जा राज ली गई है। अतः इस तनकी का निर्णय मुताबिक रेकार्ड आंशिक रूप से विकस्य वादी किया जाता है।

तनकी संख्या 2- इस तनकी को साबित करने का भार प्रतिवादी पर है। तनकी की विवेचना तनकी संख्या 1 में हो जाने से इस तनकी की विवेचना की आवश्यकता नहीं है।

तनकी संख्या 3- यहां यह तो स्पष्ट है कि विवादित आराजी की किरम मुताबिक रेकार्ड चरामाह न होकर 10000 है किन्तु वादी अपने वाद को अपने कथनानुसार साबित नहीं कर पाया है। वादी विवादित आराजी पर केवल मात्र अतिक्रमी की हैरियत से काबिज कारत है, जिसे राकम प्राधिकारिता द्वारा रामय-रामय पर बेवखल किया गया है। विवादित आराजी पर वादी को किसी भी प्रकार के अधिकार दिया जाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। अतः वादी इस वाद से कोई अनुतोष प्राप्त करने का अधिकारी नहीं है।

अतः वाद वादी रेकार्ड एवं राकम के अभाव में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसले में शुमार होकर बाद पूर्ति नियमानुसार दाखिल दफतर हो। निर्णय आज दिनांक 20-10-20 को खुले न्यायालय में भेरे द्वारा लिखाया जाकर सुनाया गया।


(शोहन लाल, आई०ए०एस०)
उपखण्ड अधिकार
बून्दी